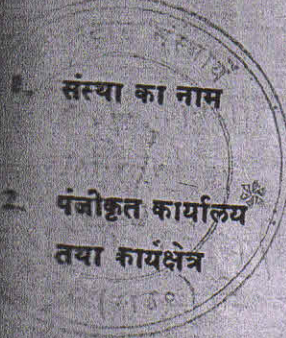


हल हल हल

सुमित्रा मेमोरियल पाठिक स्कूल समिति/सोसाइटी/संस्थान/संस्था लोसल

**संघ विधान-पत्र**

सकेगा :—  
 अहित्य, विज्ञान  
 के सामान्य  
 या निर्वहण के  
 लाकृतियों की  
 इतिहास के  
 इनों के लिये



1. **संस्था का नाम** : इस संस्था का नाम सुमित्रा मेमोरियल पाठिक स्कूल, लोसल समिति/सोसाइटी/संस्थान/संस्था है व रहेगा। ~~एस स्ट्रेट, सीकर रोड~~
2. **पंजीकृत कार्यालय तथा कार्यक्षेत्र** : इस संस्था का पंजीकृत कार्यालय लोसल है।  
~~प. रा. टोली राम नट सी कर~~  
 सीकर जिला क्षेत्र तक सीमित होगा।

3. **संस्था के उद्देश्य** : इस संस्था के निम्नलिखित उद्देश्य हैं :—

1. शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार शिक्षा देना।
2. मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक जाग्रति पैदा कर बौद्धिक एवं शारीरिक विकास।
3. वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन, खेल-मुद की व्यवस्था करना तथा मोज्य विद्यार्थियों को प्रोत्साहन।
4. छात्रावास, पुस्तकालय तथा प्रोट शिक्षा की प्रबन्ध एवं संचालन करना।
5. कला, ऊद्योग एवं विज्ञान की शिक्षा तथा संस्था के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु अन्य कार्य करना।
6. संस्था संचालन हेतु केन्द्र सरकार, राज्य सरकार तथा अन्य सरकारी एवं गैर सरकारी जन समूहों से आर्थिक सहायता एवं
7. स्वतन्त्रता, समानता न्याय, स्वनिर्भरता तथा शुष्क प्राप्त करना लोक कल्याण के उद्देश्यों की पूर्ति करना।
8. ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का प्रसार, छात्राओं एवं पिछड़ी जातियों के उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति में कोई लाभ निहित नहीं है। छात्रों को प्रोत्साहन

(ज. प्रसिद्धी वसिष्ठ)  
 राम प्रियंका  
 मन्त्री  
 कोषाध्यक्ष

4. संस्थान का कार्यभार संस्था के नियमानुसार एक कार्यकारिणी समिति को सौंपा जा है, जिसके प्रथम वर्तमान पदाधिकारी निम्नलिखित हैं :-

| क्र.सं. | नाम व पितृ का नाम                           | व्यवसाय | पूर्ण पता                                       | पक्ष |
|---------|---|---------|---|------|
| 1.      | श्री राम सिंह 5/0<br>श्री गोरधन राम         | अध्यापक | मु. बिजारगियां की टाणी<br>पो. सिंहरावट जि. सीकर |      |
| 2.      | बजरंग लाल 5/0<br>श्री भंवर लाल              | अध्यनरत | मु. हरीपुरा पो. लोसल<br>जि. सीकर                |      |
| 3.      | रनबीर सिंह 5/0<br>श्री बनवारी लाल           | अध्यापक | मु. बिजारगियां की टाणी<br>पो. सिंहरावट जि. सीकर |      |
| 4.      | नेमीचन्द 5/0<br>श्री चन्ना राम              | अध्यनरत | मु. बिजारगियां की टाणी<br>पो. सिंहरावट जि. सीकर |      |
| 5.      | वीरा लाल शेषमा 5/0<br>श्री त्रिलोक राम      | कृषि    | मु. हरीपुरा पो. लोसल<br>जि. सीकर                |      |
| 6.      | सुवा लाल 5/0<br>श्री वेणाराम                | कृषि    | मु. रागपुरा पो. लोसल<br>जि. सीकर                |      |
| 7.      | नेमीचन्द पालोड़ 5/0<br>श्री रूप सिंह पालोड़ | शिक्षक  | मु. पो. बगही जि. सीकर                           |      |
| 8.      |   |         |   |      |
| 9.      |   |         |   |      |
| 10.     |   |         |   |      |
| 11.     |   |         |   |      |

श्री गोरधन राम

हम निम्न हस्ताक्षरकर्ता, जिनके नाम, व्यवसाय व पूर्ण पते निम्न प्रकार हैं, इस संघ विधान पत्र के अंतर्गत इस संस्था के रूप में गठित होने व इसे रजिस्ट्रीकृत करवाने के इच्छुक हैं :-

| क्र.सं. | नाम/पिता का नाम                             | व्यवसाय | पूर्ण पता                                       | हस्ताक्षर |
|---------|---|---------|---|-----------|
| 1.      | श्री राम सिंह 5/0<br>श्री गोरधन राम         | अध्यापक | मु. बिजारगियां की टाणी<br>पो. सिंहरावट जि. सीकर |           |
| 2.      | बजरंग लाल 5/0<br>श्री भंवर लाल              | अध्यनरत | मु. हरीपुरा पो. लोसल<br>जि. सीकर                |           |
| 3.      | रनबीर सिंह 5/0<br>श्री बनवारी लाल           | अध्यापक | मु. बिजारगियां की टाणी<br>पो. सिंहरावट जि. सीकर |           |
| 4.      | नेमीचन्द 5/0<br>श्री चन्ना राम              | अध्यनरत | मु. बिजारगियां की टाणी<br>पो. सिंहरावट जि. सीकर |           |
| 5.      | वीरा लाल शेषमा 5/0<br>श्री त्रिलोक राम      | कृषि    | मु. हरीपुरा पो. लोसल<br>जि. सीकर                |           |
| 6.      | सुवा लाल 5/0<br>श्री वेणाराम                | कृषि    | मु. रागपुरा पो. लोसल<br>जि. सीकर                |           |
| 7.      | नेमीचन्द पालोड़ 5/0<br>श्री रूप सिंह पालोड़ | शिक्षक  | मु. पो. बगही जि. सीकर                           |           |
| 8.      |   |         |   |           |
| 9.      |   |         |   |           |
| 10.     |   |         |   |           |
| 11.     |   |         |   |           |

श्री गोरधन राम

| क्र.सं | नाम/पिता का नाम | व्यवसाय               | पूर्ण पता         | हस्ताक्षर |
|--------|-----------------|-----------------------|-------------------|-----------|
| 12     |                 |                       |                   |           |
| 13     |                 |                       |                   |           |
| 14     | सुमित्रा        | प्रोग्रेसिव पब्लिशिंग | रुकुन (फालो) पत्त |           |
| 15     |                 | सत्य निजान पत्रिका    | पुष्पावती         |           |

हम निम्न हस्ताक्षरकर्ता प्रमाणित करते हैं कि उपरोक्त हस्ताक्षरकर्ताओं को जानते हैं व उन्होंने हमारे समक्ष अपने अपने हस्ताक्षर किये हैं। हम यह भी घोषित करते हैं कि हम संस्था के सदस्य नहीं हैं।

1. हस्ताक्षर  
(नाम/व्यवसाय/पूर्ण पता)  
श्रीमती प्रियंका  
ए.एम.एस. रोड  
बाघवत सिटी

2. हस्ताक्षर  
(नाम/व्यवसाय/पूर्ण पता)  
आरिफ अली  
बाग़रिथ माल जग  
पाराब  
रा. ० ३० जग ० वि.  
पियापत्नी कार  
बाघवत सिटी  
बाघवत

श्रीमती प्रियंका  
ए.एम.एस. रोड  
बाघवत सिटी

12-6-22  
नाम संस्था सुमित्रा प्रोग्रेसिव पब्लिशिंग... संप्रति/सोसाइटी/संस्थान/संस्था

1. संस्था का नाम : विधान (नियमावली)  
इस संस्था का नाम सुमित्रा प्रोग्रेसिव पब्लिशिंग संस्थान/संस्था है व रहेगा।

2. पंजीकृत कार्यालय तथा कार्यक्षेत्र : इस संस्था का पंजीकृत कार्यालय... है तथा इसका कार्यक्षेत्र... है तथा इसका कार्यक्षेत्र... है

3. संस्था के उद्देश्य : इस संस्थान के निम्नलिखित उद्देश्य हैं :-

- 1- शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार शिक्षा देना।
- 2- मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, सारबुद्धिक एवं वैज्ञानिक जागृति पैदाकर लौहिक एवं शारीरिक विचार करना।
- 3- खेल्मुद की व्यवस्था, व्याद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन करना तथा योग्य विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देना।
- 4- कला, उद्योग एवं व्यवसाय शिक्षा तथा संस्था के उद्देश्यों हेतु अन्य कार्य करना।
- 5- संस्था संचालन हेतु, राज्य सरकार, केन्द्र सरकार तथा अन्य सरकारी एवं गैर सरकारी जन सुबुद्धि से आर्थिक सहायता एवं शुल्क प्राप्त करना।
- 6- स्वतंत्रता, समानता, न्याय, चर्मनिरपेक्षता तथा लोक कल्याण के उद्देश्यों की पूर्ति करना।
- 7- शारीरिक श्रम शिक्षा को प्रसार, छात्राओं को अधिक शिक्षा जगृति हेतु प्रसार, छात्राओं को अधिक उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति में कोई भी निहित बाधा है।

श्रीमती प्रियंका  
ए.एम.एस. रोड  
बाघवत सिटी

आरिफ अली  
बाग़रिथ माल जग  
पाराब

श्रीमती प्रियंका  
ए.एम.एस. रोड  
बाघवत सिटी

4. सदस्यता : निम्न योग्यता रखने वाले व्यक्ति संस्था के सदस्य बन सकेंगे।

- 1-संस्था के कार्य क्षेत्र में निवास करते हों।
- 2-बालिक हों।
- 3-पागल, दीवालिये न हों।
- 4-संस्था के उद्देश्यों में रुचि व आस्था रखते हों।
- 5-संस्था के हित को सर्वोपरि समझते हों।

5. सदस्यों का वर्गीकरण : संस्था के सदस्य निम्न प्रकार वर्गीकृत होंगे :-

- 1-संरक्षक
- 2-विशिष्ट
- 3-सम्माननीय
- 4-साधारण

(जो लागू न हो, उसे काट दीजिये)

6. सदस्यों द्वारा प्रदत्त

शुल्क व चन्दा : उपनियम संख्या 4 में अंकित सदस्यों द्वारा निम्न प्रकार शुल्क व चन्दा देय होगा :-

- 1-संरक्षक राशि.....2.00/- ..... वार्षिक/आजन्म
- 2-विशिष्ट राशि.....: ..... वार्षिक/आजन्म
- 3-सम्माननीय राशि.....: ..... वार्षिक
- 4-साधारण राशि.....1.00/-: ..... वार्षिक

उक्त राशि एक मुश्त अथवा ₹०...../...../..... की मासिक की दर से जमा कराई जा सकेगी।

संस्था के सदस्यों का निष्कासन निम्न प्रकार किया जा सकेगा :-

- 1-मृत्यु होने पर
- 2-त्याग पत्र देने पर
- 3-संस्था के उद्देश्यों के विपरीत कार्य करने पर
- 4-प्रबन्धकारिणी द्वारा दोषी पाये जाने पर

उक्त प्रकार के निष्कासन की अपील 15 दिन के अन्दर-अन्दर लिखित में आवेदन करने पर साधारण सभा के निर्णय हेतु वेध समझी जावेगी तथा साधारण सभा के बहुमत का निर्णय अन्तिम होगा।

संस्था के उपनियम संख्या 5 में वर्णित समस्त प्रकार के सदस्य मिलकर साधारण सभा का निर्माण करेंगे।

साधारण सभा के निम्न अधिकार और कर्तव्य होंगे।

- 1-प्रबन्धकारिणी का चुनाव करना।
- 2-वार्षिक बजट पारित करना।
- 3-प्रबन्धकारिणी द्वारा किये गये कार्यों की समीक्षा करना व पष्टि करना।

सदस्यता से निष्कासन

8. साधारण सभा

9. साधारण सभा के अधिकार और कर्तव्य

Ransingh  
अध्यक्ष

Ransingh  
अध्यक्ष

19/11/2014

19/11/2014



10. साधारण सभा की बैठकें

4—संस्था के कुल सदस्यों के 2/3 बहुमत से विधान में संशोधन, परिवर्तन अथवा परिवर्द्धन करना।  
(जो रजिस्ट्रार के कार्यालय में फाइल कराया जाकर प्रमाणित प्रतिलिपि प्राप्त कर लागू होगा)

1—साधारण सभा की वर्ष में एक बैठक अनिवार्य होगी लेकिन आवश्यकता पड़ने पर विशेष सभा अध्यक्ष/मंत्री द्वारा कभी भी बुलाई जा सकेगी।

2—साधारण सभा की बैठक का कोरम कुल सदस्यों का 1/3 होगा।

3—बैठक की सूचना 7 दिन पूर्व व अत्यावश्यक बैठक की सूचना 3 दिन पूर्व दी जायेगी।

4—कोरम के अभाव में बैठक स्थगित की जा सकेगी जो पुनः 7 दिन पश्चात निर्धारित स्थान व समय पर आहूत की जा सकेगी। ऐसी स्थगित बैठक में कोरम की कोई आवश्यकता नहीं होगी लेकिन विचारणीय विषय वहीं होंगे जो पूर्व एजेन्डा में थे।

5—संस्था के 1/3 अथवा 15 सदस्य इनमें से जो भी कम हों के लिखित आवेदन करने पर मंत्री/अध्यक्ष द्वारा 1 माह के अन्दर-अन्दर बैठक आहूत करना अनिवार्य होगा। निर्धारित अवधि में अध्यक्ष/मंत्री द्वारा बैठक न बुलाई जाने पर उक्त 15 सदस्यों में से कोई भी 3 सदस्य नोटिस जारी कर सकेंगे तथा इस प्रकार की बैठक में होने वाले समस्त निर्णय वैधानिक व सर्व मान्य होंगे।

2/10/21  
अध्यक्ष

Ransingh  
मंत्री

2/10/21  
को/डा/ए/21

1. कार्यकारिणी का गठन : संस्था के कार्य को सुचारु रूप से चलाने के लिए एक प्रबन्धकारिणी का गठन किया जायेगा, जिसके पदाधिकारी व सदस्य निम्न प्रकार होंगे :-

- 1-अध्यक्ष—एक
- 2-उपाध्यक्ष—एक
- 3-मन्त्री—एक
- 4-कोषाध्यक्ष—एक
- 5-सदस्य—सात

(उक्त पदों के अतिरिक्त अन्य पद या पदनाम परिवर्तन किये जावें, तो यहां अंकित करें। कम रखना चाहें तो कम रख लें।)

इस प्रकार प्रबन्धकारिणी में.....<sup>4</sup>.....पदाधिकारी व  
.....<sup>7</sup>.....सदस्य कुल.....<sup>11</sup>.....सदस्य होंगे।

12. कार्यकारिणी का निर्वाचन : 1-संस्था की प्रबन्धकारिणी का चुनाव 2 वर्ष की अवधि के लिए साधारण सभा द्वारा किया जावेगा।  
2-चुनाव प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष प्रणाली द्वारा किया जावेगा।  
3-चुनाव अधिकारी की नियुक्ति प्रबन्धकारिणी द्वारा की जावेगी।

13. कार्यकारिणी के अधिकार और कर्तव्य : संस्था की कार्यकारिणी के निम्नलिखित अधिकार व कर्तव्य होंगे :-

- 1-सदस्य बनाना/निष्कासित करना।
- 2-वार्षिक बजट तैयार करना।

*[Handwritten signature]*  
अध्यक्ष

*[Handwritten signature]*  
11  
संस्था

*[Handwritten signature]*  
११/०५/२०१५

मिति  
(१)

3-संस्था की सम्पत्ति की सुरक्षा करना ।

4-वैतनिक कर्मचारियों की नियुक्ति करना तथा उनके वेतन भत्तों का निर्धारण करना, सेवा मुक्त करना ।

5-साधारण सभा द्वारा पारित निर्णयों को क्रियान्वित करना ।

6-कार्य व्यवस्था हेतु उप समितियां बनाना ।

7-अन्य कार्य जो संस्था के हितार्थ हों, करना ।

#### 14. कार्यकारिणी को बैठकें

1-कार्यकारिणी को वर्ष में कम से कम 5 बैठकें अनिवार्य होंगी लेकिन आवश्यकता होने पर बैठक अध्यक्ष/मंत्री द्वारा कभी भी बुलाई जा सकेगी ।

2-बैठक का कोरम प्रबन्धकारिणी की कुल संख्या के आधे से अधिक होगा ।

3-बैठक की सूचना प्रायः 7 दिन पूर्व दी जावेगी तथा अत्यावश्यक बैठक की सूचना परिचालन से कम समय में भी दी जा सकती है ।

4-कोरम के अभाव में बैठक स्थगित की जा सकेगी जो पुनः दूसरे दिन निर्धारित स्थान व समय पर होगी । ऐसी स्थगित बैठक में कोरम की आवश्यकता नहीं होगी । लेकिन विचारणीय विषय वही होंगे, जो पूर्व एजेण्डा में थे । ऐसी स्थगित बैठक में उपस्थित सदस्यों

Signature  
Date

12  
Signature  
Date

Signature  
Date

के अतिरिक्त प्रबन्धकारिणी के कम से कम दो पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी । इस सभा की कार्यवाही की पुष्टि आगामी आम सभा में कराना आवश्यक होगा ।

#### 15. प्रबन्धकारिणी के पदाधिकारियों के अधिकार व कर्तव्य

प्रकार होंगे :-

##### 1-अध्यक्ष

- 1-बैठकों की अध्यक्षता करना ।
- 2-मत बराबर आने पर निर्णायक मत देना ।
- 3-बैठकें आहूत करना ।
- 4-संस्था का प्रतिनिधित्व करना ।
- 5-संविदा तथा अन्य दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करना ।

##### 2-उपाध्यक्ष :

1-अध्यक्ष की अनुपस्थिति में अध्यक्ष के समस्त अधिकारों का प्रयोग करना ।

2-प्रबन्धकारिणी द्वारा प्रदत्त अन्य अधिकारों का उपयोग करना ।

##### 3-सन्धी :

- 1-बैठकें आहूत करना ।
- 2-कार्यवाही लिखना तथा रिकार्ड रखना ।

Signature  
Date

Signature  
Date

3-आय-व्यय पर नियन्त्रण करना ।

4-वैतनिक कर्मचारियों पर नियन्त्रण करना तथा उनके वेतन व यात्रा बिल आदि पास करना ।

5-संस्था का प्रतिनिधित्व करना व कानूनी दस्तावेजों पर संस्था की ओर से हस्ताक्षर करना ।

6-पत्र व्यवहार करना ।

7-सम्पत्ति की सुरक्षा हेतु वैधानिक अन्य कार्य जो आवश्यक हों ।

4-उपमंत्री :

1-मन्त्री की अनुपस्थिति में मन्त्री पद के समस्त कार्य संचालन करना ।

2-अन्य कार्य जो प्रबन्धकारिणी/मन्त्री द्वारा सौंपे जावें ।

5-कोषाध्यक्ष :

1-वार्षिक लेखा-जोखा तैयार करना ।

2-दैनिक लेखों पर नियन्त्रण रखना ।

3-चन्दा/शुल्क/अनुदान आदि प्राप्त कर रसीद देना ।

4-अन्य प्रदत्त कार्य सम्पन्न करना ।

16. संस्था का कोष : संस्था का कोष निम्न प्रकार से संचित होगा :

1-चन्दा

2-शुल्क

3-अनुदान

4-सहायता

5-राजकीय अनुदान

1-उक्त प्रकार से संचित राशि किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में सुरक्षित की जायेगी ।

2-अध्यक्ष / मन्त्री / कोषाध्यक्ष में से किन्हीं दो पदाधिकारियों के संयुक्त हस्ताक्षरों से बैंक से लेन देन संभव होगा ।

17. कोष सम्बन्धी विशेषाधिकार

: संस्था के हित में तथा कार्य व समय की आवश्यकतानुसार निम्न पदाधिकारी संस्था की राशि एक मुष्ट स्वीकृत कर सकेंगे :-

1-अध्यक्ष.....₹0/-

2-मन्त्र.....₹0/-

3-कोषाध्यक्ष.....₹0/-

उपरोक्त राशि का अनुमोदन प्रबंधकारिणी से कराया जाना आवश्यक होगा अंकेक्षक की नियुक्ति प्रबन्धकारिणी द्वारा की जायेगी ।

18. संस्था का अंकेक्षण : संस्था के समस्त लेखों जोखों का वार्षिक अंकेक्षण कराया जावेगा ।

19. संस्था का विधान में परिवर्तन :

संस्था के विधान में आवश्यकतानुसार साधारण सभा के कुल सदस्यों के 2/3 बहुमत से परिवर्तन, परिवर्द्धन अथवा संशोधन किया जा सकेगा जो राजस्थान रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1958 की धारा 12 के अनुरूप होगा ;

1-चन्दा



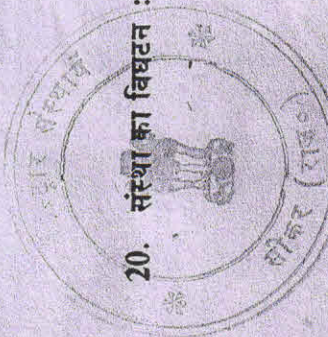
Sanjay Singh  
मन्त्री

Sanjay Singh  
मन्त्री

Sanjay Singh  
मन्त्री

Sanjay Singh  
मन्त्री





20. संस्था का विघटन : यदि संस्था का विघटन आवश्यक हुआ, तो संस्था समस्त चल व अचल सम्पत्ति समान उद्देश्य वाली संस्था को हस्तान्तरित करदी जावेगी लेकिन उक्त समस्त कागजाती राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1952 की धारा 13 व 14 के अनुरूप होगी।

21. संस्था के लेखे जोखे का निरीक्षण :

रजिस्ट्रार संस्थाएं... को संस्था रिकार्ड का निरीक्षण करने का पूर्ण अधिकार होगा व उक्त द्वारा दिये गये सुझावों की पूर्ति की जावेगी।

प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विधान (नियमावली) द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विधान/संस्थान/संस्था की सही व सच्ची प्रतिलिपि है।

35/सी/56-97  
सु. मित्र प्रेमशिक्षा पब्लिक स्कूल का. का.  
सं. बुनियात पत्र विपणन की  
2-12-96  
802-10

*[Signature]*  
अध्यक्ष

*[Signature]*  
मन्त्री

*[Signature]*  
कोषाध्यक्ष

52  
52  
2-12-96  
16-12-96  
16-12-96  
*[Signature]*

# सुमित्रा मेमोरियल पब्लिक स्कूल संस्था लोसल (सीकर)

पंजीयन क्रमांक 39/ सीकर / 96-97

विधान संशोधन का तुलनात्मक स्टेटमेंट

| क्र.सं. | विधान की धारा संख्या | पंजकृत विधान का नियम    | विधान में संशोधित किया गया नियम (नया नियम) |
|---------|----------------------|-------------------------|--|
| 1       | 3                    | उद्देश्यों की संख्या 13 | उद्देश्यों की संख्या 15                    |

- 1 शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम शिक्षा देना।
- 2 मनोवैज्ञानिक, समाजिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक जागृति पैदा कर बौद्धिक एवं शारीरिक विकास।
- 3 वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन, खेल कूद की व्यवस्था करना तथा योग्य विद्यार्थियों को प्रोत्साहन।
- 4 छात्रावास, पुस्तकालय तथा प्रोड शिक्षा का प्रबंध एवं संचालन करना।
- 5 कला उद्योग एवं विज्ञान की शिक्षा तथा संस्था के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु अन्य कार्य करना।
- 6 संस्था संचालन हेतु केंद्र सरकार, राज्य सरकार, तथा अन्य सरकारी एवं गैर सरकारी जन समूहों से आर्थिक सहायता एवं शुल्क प्राप्त करता।
- 7 स्वतंत्रता समानता न्याय धर्मनिरपेक्षता तथा लोककल्याण के उद्देश्यों की पूर्ति करना।
- 8 ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का प्रसार छात्राओं एवं पिछड़ी जातियों के छात्रों को प्रोत्साहन।
- 9 आधुनिक एवं औद्योगिक तकनीकी स्वास्थ्य सेवा की शिक्षा के कॉलेज, शिक्षा में उच्च शिक्षा के महाविद्यालय स्थापित करना व संचालन करना।
- 10 संस्था द्वारा संचालित विद्यालयों व महाविद्यालयों में भौतिक संशाधन उपलब्ध करवाने, भवन निर्माण, शिक्षण सामग्री, फर्नीचर, नयी तकनीकी उपकरण, आदि जुटाने हेतु आवश्यक धन (वित्त) जुटाने के लिए अनुदान लेना, चंदा लेना तथा विभिन्न बैंकों से ऋण लेकर अच्छे संशाधन उपलब्ध करवाना।
- 11 स्वयं सेवी संस्था के रूप में कार्य करना जिसमें राज्य व केंद्र सरकार की योजनाओं व कार्यों के लिए सरकार से अनुदान सहयोग लेना जनजागरण, स्वच्छता शिक्षा, नारी अधिकार व जागृति, स्वास्थ्य कार्यक्रम आदि संचालित करना स्वयंसेवी संस्था के सभी कार्य करना।
- 12 विभिन्न प्रकार के जैसे तकनीकी, औद्योगिक, शिक्षा में उच्चतम (उच्च) आई. टी. आई प्रतियोगिता तैयारी, खेल कूद आदि के प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करना व संचालन करना।
- 13 सरकार (राज्य व केंद्र) की और से जनकल्याण के लिए संचालित योजनाओं में सहभागिता के आधार पर योजनाएं संचालित करना।

- 1 पशु चिकित्सा(पशुओं की सम्पूर्ण स्वास्थ्य संबंधित चिकित्सा) के लिए तथा सभी प्रकार के जानवरों की चिकित्सा के लिए नर्सिंग कॉलेज, पशुपालन डिप्लोमा, डिग्री कॉलेज, फार्मेशी कॉलेज व अस्पताल स्थापित करना व उनका संचालन करना।
- 2 मानवचिकित्सा के अस्पताल नर्सिंग कॉलेज, डॉ. कॉलेज स्थापित करना फार्मेशी कॉलेज(B.PHAMA,D.PHARMA) स्थापित करना व उनका संचालन करना नर्सिंग होम स्थापित करना व उनका संचालन करना।

स्थापित किया जाता है कि इसका उद्देश्य  
संस्था के पत्राचार में सम्मिलित है।

सचिव  
सीकर

अध्यक्ष

सचिव

सचिव